प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर पंतनगर विश्वविद्यालय

पंतनगर। 13 फरवरी, 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय में चल रही विश्व बैंक से प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) के अंतर्गत संस्थान विकास योजना में कुलपति, डा. तेज प्रताप, के नेतृत्व में एक चार सदस्यीय दल अमेरिका के इलिनॉय स्टेट में स्थित इलिनॉय कृषि विश्वविद्यालय के भ्रमण पर गया था, जिसमें कुलपति के अतिरिक्त विभागाध्यक्ष, कृषि संचार विभाग, तथा इस परियोजना के मुख्य अन्वेषक, डा. एस.के. कश्यप; सह मुख्य अन्वेषक, डा. ए.एस. नैन; एवं परियोजना के अकादमिक घटक के संचालक, डा. एस.के. गुरू, सम्मिलित थे। वहां से लौट कर कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने आज एक प्रेस वार्ता आयोजित की। इस प्रेस वार्ता में निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल, डा. एस.के. कश्यप एवं डा. ए.एस. नैन भी उपस्थित थे।

डा. तेज प्रताप ने बताया कि पंतनगर विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा हासिल कराने के लिए यह आवश्यक है कि यहां के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की जानकारी हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को विश्व बैंक की इस परियोजना से यह अवसर प्राप्त हुआ है कि यहां के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विश्व के श्रेष्ठतम कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षण व शोध से रू-ब-रू किया जा सके तथा वहां प्राप्त ज्ञान से उनके द्वारा इस विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं शोध के स्तर को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया जा सके। डा. प्रताप ने कहा कि इसी उद्देश्य को हासिल करने के लिए उनके नेतृत्व में एक दल अमेरिका के इलिनॉय कृषि विश्वविद्यालय में भ्रमण हेतु गया क्योंकि इसी विश्वविद्यालय के सहयोग से वर्ष १९६० में देश के पहले कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना पंतनगर में हुई थी। उन्होंने बताया कि वहां पर हुई कई बैठकों के बाद विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इलिनॉय भेजे जाने का कार्यक्रम बना लिया गया है। साथ ही इस कार्यक्रम की निरन्तरता इस परियोजना की समाप्ति के बाद भी बनाये रखने की रणनीति भी बनायी गयी है, जिसके द्वारा पंतनगर के विद्यार्थी इलिनॉय विश्वविद्यालय में पीएच.डी. एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे तथा उनकी शोध परियोजनाओं में भी नियुक्ति पा सकेंगे। इलिनॉय विश्वविद्यालय के समीप स्थित शिकागो शहर में पंतनगर के पूर्व विद्यार्थियों के साथ बैठक करने तथा उनका एक 'नेटवर्क नोड' बनाये जाने की जानकारी भी कुलपति ने दी, जो पंतनगर के विद्यार्थियों व शिक्षकों को अमेरिका में उनके प्रवास के दौरान सहायता करेगा। कुलपति ने बताया कि इससे पूर्व ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के साथ भी इसी प्रकार के सहयोग के लिए वार्ता की जा चुकी है।

डा. एस.के. कश्यप ने बताया कि इस सेमेस्टर की समाप्ति पर 30 विद्यार्थियों को तीन माह के शैक्षणिक भ्रमण पर इलिनॉय भेजा जाएगा। इसी प्रकार 50 से 60 वैज्ञानिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग समय पर इलिनॉय भेजा जाएगा। यह चक्र परियोजना की पूरी अवधि में चलता रहेगा। उन्होंने परियोजना के अंतर्गत चल रहे विभिन्न घटकों की भी जानकारी दी, जिनमें इन्नोवेशन इक्यूबेटर सेंटर, विदेशी भाषा केन्द्र, कौशल विकास घटक इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया। डा. ए.एस. नैन ने विश्वविद्यालय में इस परियोजना के अंतर्गत 30 वर्चुवल डिजिटल शिक्षण कक्षों की स्थापना की जानकारी दी, जिनके माध्यम से विदेशों के विशेषज्ञों के व्याख्यान विद्यार्थियों को पंतनगर में रहकर ही प्राप्त हो सकेंगे। साथ ही पंतनगर के वैज्ञानिकों के व्याख्यान विदेशी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी सुन सकेंगे तथा उनसे वार्तालाप भी कर सकेंगे।

इस प्रेस वार्ता में पंतनगर व आस-पास के क्षेत्र के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने कुलपति से परियोजना के बारे में कई प्रश्न पूछे जिसका कुलपति ने विस्तार से जबाब दिया।

प्रेस वार्ता करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।